जब गुरु अवतार जगत मां ने मुक्ति का द्वार दिखाया,
हर मानव ने सुख पाया, हर मानव ने सुख पाया,
जन्मों के बंधन तोड़ दिए, ईश्वर का ज्ञान कराया।
हर मानव ने सुख पाया, हर मानव ने सुख पाया।

जब जात मजहब के बंधन में, सब जकड़े हुए थे प्राणी ।
और ऊंच नीच की दीवारों में , कैद थी हर जिंदगानी
ये भेदभाव हर दिल से मिटा कर, सब को एक बनाया ।
हर मानव ने सुख पाया....

कभी महाराष्ट्र गुजरात गए ,यूपी पंजाब हरियाणा ।
आजाद देश था दिलों में पर, बंधन था बहुत पुराना ।
जिस प्रांत में भी ये मिशन गया, हर दिल से भरम मिटाया ।
हर मानव ने सुख पाया ...

संग इनके सैकड़ों भक्तों ने, लोगों के बंधन काटे ।
कहीं साथ सितारों ने जा-जा, ये ज्ञान के हीरे बांटे ।
पिता अमर सिंह ऋषि व्यास कमल, और शोक ने जब समझाया ।
हर मानव ने....

हम गुरु हरदेव राजमाता और, सतगुरु मां की माने ।
जीवन मुक्ति का अर्थ है क्या, हम बाबू विजय तब जाने।
फिर क्या बातों से मुक्ति दे ,और सत्य धर्म बतलाया ।
हर मानव ने सुख पाया...

<u>तर्ज: जहाँ डाल डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा</u>